

## 96 | डिचित इन्वेस्टमेंट्स की शणाना कैसे करें ?

### 21 डी-मेट अकाउंट Demat Account

शेयरों, स्युचुअलफंड, बाण्ड आदि के कागजों के प्रमाण पत्र को इलेक्ट्रानिक रूप में बदलकर Demat Account में केंडिट करने को डीमटेरियालाइजेशन (Dematerialisation) कहते हैं।

- ☞ डी-मेट एकाउंट, बैंक एकाउंट की तरह होता है, परंतु इसमें रूपयों के स्थान पर शेयरों, स्युचुअलफंड, बाण्ड आदि के लेन देन का काम किया जाता है।
- ☞ Demat Account कुछ बैंकों – जैसे SBI, ICICI, HDFC, IDBI या Stock Holding Corporation of India आदि डिपाजिटरी पार्टिसिपेंट (Depository Participant (D.P.) के यहां खोले जाते हैं।
- ☞ शेयरों की बिक्री हेतु Demat Account होना अनिवार्य है। एवं अधिकांश शेयरों की खरीदी अब Demat Account द्वारा की जाती है।
- ☞ जिन शेयरों को बेचना हो, उसे जिस ब्रोकर के माध्यम से बेचना हो, उसके डी-मेट एकाउंट में ट्रांसफर करना होगा। इसके लिए आपको डी-मेट एकाउंट के साथ मिली चेक बुक में, आवश्यक प्रविष्टियाँ कर, depository Participant को देना होता है।
- ☞ शेयरों को खरीदी के लिए, ब्रोकर को अपना Demat Account No. देना होता है, तो ब्रोकर शेयर आपके Demat Account में सीधे ट्रांसफर कर देता है।
- ☞ Demat Account के लिए प्रायः मुख्यतः निम्न चार्जस देने होते हैं :
  - 1- A/c Opening Fee      2. Annual Service charge
  - 1- Transaction Fee      (i) Buy (% of Transaction value)    (ii) Sale (% of Transaction value)
- ☞ Demat Account खोलते समय, अनुबंध प्रायः 50 रु. के स्टाम्प पेपर पर किया जाता है।
- ☞ Dematerialisation के चार्ज प्रायः 2–3 रु. प्रति सर्टिफिकेट होते हैं, परंतु कोरियर चार्जस 25–30 रु. होने के कारण कुल चार्जस लगभग 30 रु. होता है।
- ☞ कस्टडी चार्जस (Custody charges) के रूप में सामान्यतया रु. 0.50 प्रति ISIN (International Security Identification Number) प्रतिमाह लिया जाता है अर्थात् यदि आपके पास 10 कंपनियों के शेयर हो तो 5 रु. प्रतिमाह की दर से चार्जस देय होंगे, इसके अलावा भी कई चार्जस होते हैं, जो सेवाओं पर आधारित होते हैं, अतः एकाउंट खोलने के पूर्व चार्जस के अलावा D.P. द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता, विश्वसनीयता पर भी ध्यान देना जरूरी है।

### 22 डेबिट कार्ड Debit Card

डेबिट कार्ड, प्लास्टिक मनी का एक ऐसा माध्यम है, जो सीधे आपके बैंक एकाउंट से जुड़ा होता है, तथा बैंकों द्वारा ही जारी किए जाते हैं। ये मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं:-

- (1) **डायरेक्ट डेबिट कार्ड :** ये ATM Card की तरह खाते से आन लाइन linked रहते हैं। किसी दुकान में लगे टर्मिनल से इस कार्ड को डालकर पिन इन्टर करने से खरीदे गए सामान की राशि, खाते से डेबिट हो जाती है। Master कार्ड के डेबिट कार्ड में “Maestro” Logo लगा होता है। सिटी बैंक द्वारा सुविधा नाम से Debit Card जारी किया जाता है।
- (2) **डिफर्ड डेबिट कार्ड (Deferred Debit card) :** ये केंडिट कार्ड की तरह के ही होते हैं। क्योंकि इनके द्वारा आप लाइन लेन देन किये जा सकते हैं। इसमें दुकानदार दुकान में लगे टर्मिनल पर स्कैन कर खाते में डेबिट कर रख लेता है। इसमें पिन इन्टर करने की जरूरत नहीं होती है। VISA द्वारा जारी डेबिट कार्ड में इलेक्ट्रान Logo लगा होता है। HDFC/ICICI बैंक के भी द्वारा इलेक्ट्रान के नाम से डेबिट कार्ड जारी किया जाता है।

